हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 171 देहरादून, सोमवार, 26 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

पहाड़ की सेहत सुधारने रुद्रप्रयाग पहुंचे सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार, मरीज़ों से लिया फीड बैक 3

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं सुशासन पुरस्कार से सम्मानित हुए उत्तराखंड ब्यूरोक्रेसी के सितारे

सुशासन दिवस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

मोहम्मद सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसम्बर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुशासन दिवस के अवसर पर में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं सुशासन पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी आगे भी इसी मनोयोग से कार्य करते रहेंगे।मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य स्मृति में मनाये जाने वाले "सुशासन दिवस" की सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष, ओजस्वी कवि, प्रखर वक्ता, उत्तराखंड के निर्माता, भारत रत्न श्रद्धेय, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेय ने अपना सम्पूर्ण जीवन जन सेवा के लिए समर्पित किया। प्रधानमंत्री के रूप में हो या एक व्यक्ति के रूप में हो, श्रद्धेय स्व. अटल जी का संपूर्ण जीवन, राजनीतिक या सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के लिए ही नहीं अपितु समस्त देशवासियों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत है। वे सच्चे अर्थों में भारतीय राजनीति में अजातशत्रु थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण की बात हो या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी दूरगामी सोच वाली परियोजना की बात हो या फिर परमाणु परीक्षण जैसे साहसी कदम की बात हो, अटल जी ने देश के विकास के लिए अलग लकीर खींचने का काम किया। अटल जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने भारत में विकास की चेतना को जागृत कर अभूतपूर्व कार्य किये। सुशासन, सामाजिक सशक्तिकरण और समरसता अटल जी का जीवन दर्शन था। अटल जी अन्त्योदय के दर्शन को कार्यरूप देने में विश्वास रखते थे, वे हमेशा समाज के गरीब और वंचित वर्ग के लिए चिंतित व सक्रिय रहते थे। राष्ट्रधर्म को वाजपेयी जी ने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर रखा। समानता और सामाजिक समरसता के प्रति वह सदा तन-मन-धन से समर्पित थे। उन्होंने कहा कि अटल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने ही उत्तराखंड राज्य की स्थापना कर हम सभी के सपने को साकार करने का काम किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। केन्द्र सरकार से हर क्षेत्र में उत्तराखण्ड को पूरा सहयोग मिल रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को सार्थक करने हेतु उत्तराखंड को एक सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। राज्य सरकार वर्ष 2025 तक उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में "विकल्प रहित संकल्प" को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए सरकार के साथ-साथ समस्त प्रदेशवासियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं सुशासन पुरस्कार 2021-22 से

व्यक्तिगत श्रेणी में 07 लोगों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं सुशासन पुरस्कार 2021-22 से सम्मानित किया गया। जिसमें श्री विशाल मिश्रा, नगर आयुक्त, नगर निगम, रूद्रपुर, ऊधमसिंह नगर, डा0 राजीव कुमार, प्रभारी चिकित्साधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल, अजय सिंह, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एस0टी0एफ0 देहरादून, डा0 राजीव कुमार शर्मा वरिष्ठ परामर्शदाता (सर्जन), उप जिला चिकित्सालय, कर्णप्रयाग, चमोली, सुश्री दृष्टि आनन्द, खण्ड विकास अधिकारी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल, मनीष खत्री उप निरीक्षक, उत्तराखण्ड पुलिस, एस0ओ0जी0, चम्पावत एवं नवीन कठैत, कांस्टेबल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कोतवाली, कर्णप्रयाग, चमोली शामिल हैं। सामूहिक श्रेणी में 11 पुरस्कार दिये गये। जिसमें पहला पुरस्कार श्रीमती राधा रतूड़ी (ग्रुप लीडर) अपर मुख्य सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून एवं टीम के सदस्य आर. के. सुधांशु, प्रमुख सचिव, अमित सिन्हा, निदेशक, आई.टी.डी.ए., विनोद कुमार सुमन, सचिव, राजीव जोशी, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक एन.आई.सी., श्रीमती वन्दना डंगवाल, अनु सचिव शामिल हैं। दूसरा पुरस्कार चन्देश कुमार (ग्रुप लीडर) आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून, टीम के सदस्य मुहम्मद नासिर, उप राजस्व आयुक्त, अनूप सिंह नेगी, सहायक समीक्षा अधिकारी, पवन सिंह, मुख्य सहाय शामिल हैं। तृतीय पुरस्कार सुरेन्द्र नारायण पाण्डे (ग्रुप लीडर) आवास आयुक्त, उत्तराखण्ड आवास एवं विकास परिषद देहरादून, टीम के सदस्य प्रकाश चन्द्र दुम्का, अपर आवास आयुक्त, आनन्द राम, अधिशासी अभियन्ता, श्रीमती बबीता शर्मा, मुख्य सहायक शामिल हैं। चौथा पुरस्कार आशीष चौहान (ग्रुप लीडर) तत्कालीन जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ टीम के सदस्य गौरव कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, प्रशान्त कुमार, वित्त अधिकारी, मोहित लाल शाह, अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शामिल हैं। पांचवा पुरस्कार विजय कुमार जोगदण्डे (ग्रूप लीडर) तत्कालीन जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल (महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास के अन्तर्गत बेटी बचाओ-बेटी विषयक कार्यों हेतु") टीम के सदस्य श्री जितेन्द्र कुमार, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, श्रीमती चन्द्रकान्ता काला, बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुश्री प्रिति अरोड़ा, बाल विकास परियोजना अधिकारी, श्रीमती अंजू, बाल विकास परियोजना अधिकारी शामिल हैं। छठा पुरस्कार विजय कुमार जोगदण्डे (ग्रुप लीडर) तत्कालीन जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल, (जनपद पौड़ी गढ़वाल में स्वामित्व योजना क्रियान्वित किये जाने विषयक) टीम के सदस्य श्रीमती ईला गिरी, ए.डी.एम. पौड़ी गढ़वाल/नोडल अधिकारी, श्री पूरण प्रकाश रावत, ए.एल.आर.ओ., श्रीमती सुशीला कोठियाल, तहसीलदार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, मनजीत सिंह गिल, तहसीलदार यमकेश्वर, श्री यशवीर सिंह, तहसीलदार धूमाकोट, विकास अवस्थी, नायब तहसीलदार, कोटद्वार शामिल हैं। सातवा पुरस्कार स्वाती एस भदौरिया तत्कालीन जिलाधिकारी/अध्यक्ष जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, चमोली, उत्तराखण्ड एवं श्री हिमांशु खुराना जिलाधिकारी/अध्यक्ष जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, चमोली, उत्तराखण्ड (ग्रूप लीडर), टीम के सदस्य श्रीमती कुमकुम जोशी, उप जिलाधिकारी, नरेन्द्र सिंह रावत, रजिस्ट्रार कानूनगो, राजवीर सिंह नेगी, अमीन तहसील, शिवराज सिंह रावत, सहायक मुख्य राजस्व लेखाकार शामिल हैं। आठवा पुरस्कार श्रीमती श्वेता चौबे, आई0पी0एस0 (ग्रुप लीडर) तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, पुलिस कार्यालय गोपेश्वर, चमोली टीम के सदस्य महिला उपनिरीक्षक, ना0पु0 मीता गुसांई, म0कान्स 15 ना0पु0 ऊषा तथा म0कान्स0 35 ना0पु0 नन्दी शामिल है।उत्तराखण्ड सचिवालय, विधानसभा सचिवालय, उत्तराखण्ड राज्यपाल सचिवालय श्रेणी- तृतीय के तहत आशीष कुमार मिश्रा अनुभाग अधिकारी, उत्तराखण्ड सचिवालय तथा सुश्री रंजना, समीक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड सचिवालय देहरादून को पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं सुशासन पुरस्कार 2020-21 से

व्यक्तिगत श्रेणी-1 में 06 लोगों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं सुशासन पुरस्कार 2020-21 से सम्मानित किया गया। जिसमें मयूर दीक्षित, तत्कालीन जिलाधिकारी, उत्तरकाशी, सुश्री युक्ता मिश्र, तत्कालीन उपजिलाधिकारी, नरेन्द्रनगर, टिहरी गढ़वाल कार्यालय उपजिलाधिकारी / परगना मजिस्ट्रेट नरेन्द्रनगर, प्रोफेसर कमल किशोर पाण्डे, प्राचार्य, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रूद्रपुर, डॉ0 अनिता तोमर, प्रोफेसर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, माल देवता, रायपुर, देहरादून, पंकज कुमार उप्रेती, असिस्टेंट प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय, टनकपुर, चम्पावत, सुश्री विमी जोशी, सहायक परियोजना निदेशक, चम्पावत / प्रादेशिक विकास सेवा, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, चम्पावत शामिल हैं। श्रेणी- तृतीय के तहत शासन/विधान सभा /राजभवन के अन्तर्गत सुश्री रंजना, समीक्षा अधिकारी उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून को पुरस्कार प्रदान किया गया। सामूहिक श्रेणी में 07 पुरस्कार प्रदान किये गये जिनमें श्री शैलेश बगौली (ग्रुप लीडर), तत्कालीन सचिव, शहरी विकास विभाग, टीम के सदस्य विनोद कुमार सुमन, तत्कालीन सचिव (प्रभारी), शहरी विकास विभाग, ललित मोहन रयाल, तत्कालीन निदेशक, अशोक कुमार पाण्डेय अपर निदेशक शामिल हैं। दूसरा पुरस्कार शैलेश बगौली (ग्रुप लीडर) तत्कालीन सचिव शहरी विकास विभाग (नगर निकाय सम्पत्ति कर प्रणाली, जी0आई0एस0 मैचिंग द्वारा डिजिटलाइज किये जाने विषयक कार्य हेतु) टीम के सदस्य में विनोद कुमार सुमन, तत्कालीन सचिव (प्रभारी), ललित मोहन रयाल, तत्कालीन निदेशक, अशोक कुमार पाण्डेय, अपर निदेशक, कमलेश मेहता, तत्कालीन संयुक्त निदेशक, रवि पाण्डेय, अधीक्षण अभियन्ता शामिल हैं। तृतीय पुरस्कार श्रीमती सोनिका (तत्कालीन मिशन निदेशक/राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) (ग्रुप लीडर) टीम के सदस्य में डा0 सरोज नैथनी, निदेशक एन.एच.एम. शामिल हैं। चौथा पुरस्कार ईवा आशीष श्रीवास्तव (ग्रुप लीडर) तत्कालीन जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल टीम के सदस्य में अभिषेक रूहेला, तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी, जेपी तिवारी मुख्य कृषि अधिकारी सुनील कुमार, जिला विकास अधिकारी, सोमाश कुमार गुप्ता, कृषि एवं भूमि संरक्षण, नरेन्द्रनगर, आनन्द सिंह भाकूनी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण शामिल हैं। पांचवा पुरस्कार डॉ0 आशीष कुमार श्रीवास्तव, (ग्रुप लीडर) तत्कालीन जिलाधिकारी देहरादून एवं तत्कालीन निदेशक, आईटीडीए आईटी पार्क टीम के सदस्य में नितिका खण्डेलवाल, तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी देहरादून एवं रामस्वरूप उनियाल डिप्टी जनरल मैनेजर (आई0टी0), स्मार्ट सिटी, देहरादून शामिल हैं। छठा पुरस्कार श्रीमती नितिका खण्डेलवाल, तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी, देहरादून (ग्रुप लीडर) टीम के सदस्य में डॉ0 आशीष कुमार श्रीवास्तव, तत्कालीन जिलाधिकारी देहरादून एवं तत्कालीन निदेशक, आईटीडीए आईटी पार्क, सांतवा पुरस्कार अभिषेक त्रिपाठी (ग्रुप लीडर) तत्कालीन अपर मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन टीम के सदस्य में डॉ. पंकज सिंह, स्टेट सर्विलास ऑफिसर शामिल हैं।

इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों के लिए जरूरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 दिसंबर , अगर आप भी टैक्स भरते हैं तो आपके लिए एक जरूरी खबर है। साल 2022 खत्म होने में कुछ ही दिन बचे हैं और ऐसे में आपको कई जरूरी काम करने होंगे। आपको बता दें कि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख भी 31 दिसंबर है. इसके अलावा विभाग ने संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख भी 31 दिसंबर रखी है, यानी आपको यह काम 31 दिसंबर से पहले करना होगा। दरअसल, आप नए साल में संशोधित आईटीआर का फायदा नहीं उठा सकते हैं। इनकम टैक्स के नियम के मुताबिक अगर आपने आखिरी तारीख तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं किया है तो आप बिलेटेड आईटीआर यानी बिलेटेड आईटीआर फाइल कर सकते हैं। इस साल इनकम टैक्स फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2022 थी और अगर कोई इस तारीख तक रिटर्न फाइल नहीं कर पाया है तो अब उसे बिलेटेड आईटीआर फाइल करना होगा, जिसकी आखिरी तारीख 31 दिसंबर है।

अगर आप भी टैक्स भरना भूल गए हैं या रिटर्न फाइल करने में कोई गलती हो गई है तो इसे 31 दिसंबर तक जरूर भर लें। दरअसल, आप अपनी गलतियों को सुधारने के लिए रिवाइज्ड आईटीआर फाइल कर सकते हैं। कुल मिलाकर दोनों आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर, 2022 है।

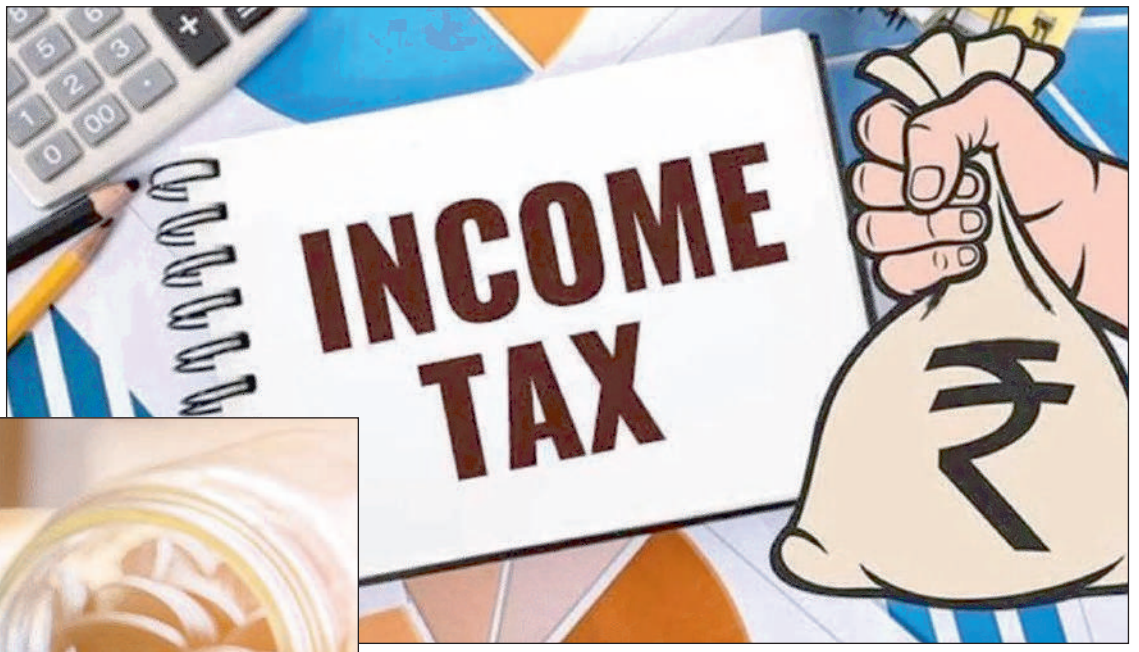

जानते हैं कि इनकम टैक्स भरने का क्या नियम है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 139(4) के तहत देरी से आईटीआर फाइल किया जा सकता है. लेट आईटीआर फाइल करने की प्रक्रिया भी एक जैसी है. लेकिन अगर आप देरी से आईटीआर फाइल कर रहे हैं तो भी इस बात का ध्यान रखें कि रिटर्न में फॉर्म चुनने से लेकर आपको जुर्माने की रकम, ब्याज दर और बकाया टैक्स की विस्तृत जानकारी देनी होगी. 5000 रुपये के रूप में देना होगा।

इस तरीके से वापस पा सकते हैं अपना खोया फोन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 26 दिसंबर , अक्सर आप सुनते होंगे कि दोस्तों या रिश्तेदार का मोबाइल गम हो गया , कहीं गिर गया या फिर चोरी हो गया जिसके लिए वो बहुत परेशान होते हैं। कई बार फोन खोने या चोरी हो जाने के बाद उसे वापस पाने की लाख कोशिश करते हैं लेकिन उसका वापस मिलना आसान नहीं होता है। लेकिन आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स की मदद से बड़ी ही आसानी से यह पता लगा सकते हैं कि आखिर आपका फोन कहां है ? क्या आपका भी फोन खो गया है या फिर किसी ने चुरा लिया है? ऐसा कई बार होता है, जब फोन गायब हो जाता है। ऐसे में हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है कि आखिर करें तो क्या करें? चूंकि फोन में काफी कुछ पर्सनल होता है, इसलिए उसे वापस पाने की बेचैनी भी होती है। वैसे गुम हुआ या चोरी हुआ फोन वापस पाना इतना आसान भी नहीं होता है लेकिन आज हम आपको ऐसी ट्रिक बताने जा रहे हैं, जिससे आप यह पता लगा सकेंगे कि आपका फोन आखिर कहां है।

IMEI नंबर पास है तो आसान होगा काम

हर फोन में IMEI नंबर होता है। इसकी मदद से आप अपना गुम हुआ फोन वापस पा सकते हैं। फोन बॉक्स पर IMEI नंबर लिखा होता है। आप चाहें कंपनी का यूनिक कोड फोन में डालकर IMEI नंबर हासिल कर सकते हैं। हर कंपनी का अलग-अलग यूनिक कोड होता है।

ट्रैकर डिवाइस से पाएं खोया फोन

मोबाइल खोने पर मोबाइल ट्रैकर डिवाइस की मदद भी आप ले सकते हैं। किसी भी मोबाइल ट्रैकर एप में जाकर आप खोए हुए फोन की IMEI नंबर डाल दें और उसकी लोकेशन ट्रैक कर सकते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि अगर फोन स्विच ऑफ रहा तो कैसे पता लगा पाएंगे। चिंता की बात नहीं क्योंकि अगर फोन बंद भी रहा तो इस नंबर से आप फोन की लोकेशन ट्रैक कर पाएंगे।

सर्विलांस सिस्टम

जब आपको अपने फोन के लोकेशन की जानकारी मिल जाए तो आप इसे पुलिस को देकर मदद मांग सकते हैं। पुलिस सर्विलांस सिस्टम की मदद से आपके फोन की लोकेशन तक पहुंच सकती है और चोर को पकड़ने में कामयाब भी हो सकती है।

कहां मिलेगा फोन ट्रैकर

गूगल (Google) प्ले स्टोर में जाकर आप फोन ट्रैकर एप डाउनलोड कर सकते हैं। जैसे ही इसमें IMEI नंबर डालेंगे, वैसे ही आपको फोन के लोकेशन की एक मैसेज मिल जाएगी। इसके बाद आप अपना फोन पा सकते हैं।

इस तरह ट्रेस करें मोबाइल की लोकेशन

अब अगर आपके पास मोबाइल ट्रैकर या एप नहीं है तो आप Aaple और Android में इन-बिल्ट Find My सर्विस के जरिए अपने मोबाइल फोन को ट्रैक कर सकते हैं। ऐसे फोन जो आपके अकाउंट से एड हैं, उन्हें ये ट्रैक कर सकते हैं। यह सर्विस पूरी तरह फ्री है। इसके लिए किसी तरह का चार्ज नहीं देना पड़ता है।

विशेषज्ञ 2 प्रमुख कारण बताते हैं कि बच्चों में क्रोध की समस्या क्यों होती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्रोध एक भावना है। जबकि कुछ इसे नियंत्रित करने में महान हैं, वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो बहक जाते हैं। हालाँकि, जब बच्चों की बात आती है, तो क्रोध को अक्सर गुस्से के गुस्से के रूप में देखा जाता है और इसे कठोरता और संभवतः किसी प्रकार की सजा के साथ प्रबंधित किया जाता है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों में तनावपूर्ण स्थिति से निपटने का यह तरीका नहीं है।अंबिका अग्रवाल, एक प्रमाणित एनएलपी प्रैक्टिशनर, ने हाल ही में दो मुख्य कारणों को संबोधित किया है कि बच्चे अक्सर क्रोधित क्यों हो जाते हैं। इतना ही नहीं, वह इस बात पर भी चर्चा करती हैं कि माता-पिता अपने बच्चे के क्रोध के मुद्दों से कैसे निपट सकते हैं।आइए सबसे पहले बच्चों में गुस्से की समस्या के दो प्रमुख कारणों पर चर्चा करें।

'अधूरी जरूरतें'

विशेषज्ञ के अनुसार, एक बच्चे के गुस्से के मुद्दों के पीछे मुख्य कारणों में से एक है अधूरी जरूरतें। अपूर्ण आवश्यकताएँ ऐसी आवश्यकताएँ हैं जिन्हें पूरा नहीं किया गया है या जिन्हें अनदेखा या उपेक्षित किया गया है। अधिकांश बच्चों के लिए, गुस्सा होना या नखरे दिखाना अक्सर उनके असंतोष को व्यक्त करने का एक तरीका होता है। इस तरह वे अपने असंतोष का संचार करते हैं।विशेषज्ञ के अनुसार, माता-पिता अक्सर यह गलत समझते हैं कि 'जान बूज के परेशान कर रहा है' हालांकि, उनका मानना है कि ऐसा नहीं है।

'शक्ती की कमी'

बच्चों में क्रोध के मुद्दों के पीछे एक और कारण 'शक्ति की कमी' है, जिसका अर्थ है कि वे जो चाहते हैं उस पर कोई अधिकार या अधिकार नहीं है। यह बच्चों के लिए विशेष रूप से परेशान करने वाला हो सकता है

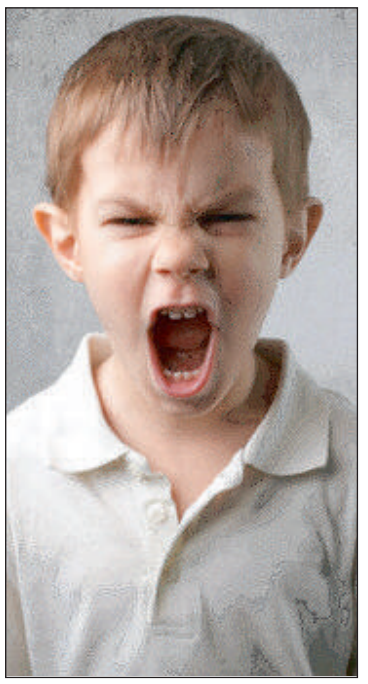

क्योंकि उनके पास व्यक्त करने के लिए बहुत कुछ होता है लेकिन कभी-कभी इसे संप्रेषित करने के लिए शब्द नहीं होते हैं। और इसलिए वे इसे क्रोध और नखरे के रूप में व्यक्त करते हैं।विशेषज्ञ के अनुसार, माता-पिता अक्सर सोचते हैं कि बच्चे गुस्से में आकर दूसरों पर हावी होने की कोशिश कर रहे हैं और हताशा के कारण गुस्सा कर रहे हैं - यह फिर से गलत है।

कैसे प्रतिक्रिया दें?

अम्बिका, जो स्वयं एक माँ है, शांत रहने और बच्चे के समान स्वर में प्रतिक्रिया न करने की सलाह देती है।-क्रोध में प्रतिक्रिया न करें या उनके व्यवहार को व्यक्तिगत रूप से न लें।- उनके ट्रिगर्स को पहचानें- मामूली नकारात्मक व्यवहार पर ध्यान न दें- उन्हें चुनने की कुछ शक्ति दें- शांत होने पर उचित व्यवहार सिखाएं

पहाड़ की सेहत सुधारने रुद्रप्रयाग पहुंचे सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार, मरीज़ों से लिया फीड बैक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 26 दिसंबर , उत्तराखंड के बेहद सक्रिय और संवेदनशील ब्यूरोक्रेट और ज़मीन पर उतर कर जनहित से जुडी योजनाओं की रियलिटी जांचने परखने के माहिर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने पहाड़ का रुख कर लिया है। रुद्रप्रयाग में पहले दिन ताबड़तोड़ निरिक्षण किया , लोगों से मिले , मरीज़ों से फीडबैक लिया और अधिकारियो को कड़े निर्देश दिए। सचिव स्वास्थ्य ने जिला अस्पताल एवं माधवाश्रम चिकित्सालय का निरीक्षण कर आने वाले मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने भर्ती मरीजों का हालचाल जाना तथा उनसे व तीमारदारों से चिकित्सालय में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का फीडबैक भी लिया। क्रिसमस के दिन रुद्रप्रयाग पहुंचे डॉ आर राजेश कुमार सबसे पहले जिला चिकित्सालय पहुंचे। यहाँ स्वास्थ्य सचिव ने जिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों व अन्य मेडिकल स्टाफ की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सालय परिसर में औषधि वितरण कक्ष, प्रसूति वार्ड, ऑपरेशन कक्ष, अल्ट्रासाउंड, एक्स रे कक्ष, ड्रग हाउस, ओपीडी कक्ष, लेबर रूम के साथ ही अस्पताल की साफ-सफाई का भी जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान यहां भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। साथ ही चिकित्सालय में मिल रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय में होने वाली विभिन्न जांच की जानकारी लेते हुए कहा कि चिकित्सालय में होने वाली सभी जांचें भी मरीजों की सुविधा के अनुसार नियमित रूप से की जाएं। उन्होंने नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत चंदन हेल्थ केयर में मरीजों की निःशुल्क होने वाली जांच का उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही खुशियों की सवारी का सिस्टम दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रसूति के समय से एक वर्ष तक जच्चा-बच्चा खुशियों की सवारी को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता के अनुसार उपयोग में ला सकते हैं।

इसके बाद स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कोटेश्वर माधवाश्रम चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर सर्जरी ओटी व ऑर्थो ओटी का निरीक्षण करने के साथ ही मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का भी जायजा लिया। साथ ही माधवाश्रम चिकित्सालय के ऊपरी भवन में तैयार हो रहे नवनिर्मित भवन के कार्य में गुणवत्ता के साथ तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माधवाश्रम चिकित्सालय को फिलहाल कोविड हॉस्पिटल के तौर पर संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा 42 बेड का कार्डियक केयर यूनिट अगले तीन माह में तैयार करने हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कोविड को लेकर कहा कि यह पूरी तरह से नियंत्रण में है फिर भी सतर्कता के लिए राज्य में कोविड की नई गाइडलाइन जारी कर दी गई है। उन्होंने जिला चिकित्सालय सहित अन्य जनपदों में रिक्त चल रहे गाइनोलॉजिस्ट की तैनाती को लेकर कहा कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग यू कोड वीक पे योजना ला रहे हैं जिसके तहत हर तरह के विशेषज्ञ चिकित्सकों की मैरिट व क्वालिफिकेशन के आधार पर उन्हें कॉन्ट्रेक्ट बेस में पहाड़ में वरीयता के साथ ही अधिक आवश्यकता वाले जिलों में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा 1560 नर्सों की वर्षभार तैनाती व 820 एएनएम की भर्ती भी जल्द की जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरे देश में एकमात्र ऐसा राज्य है जहां आयुष्मान कार्ड के तहत सभी का ईलाज किया जाता है। राज्य सरकार ने एपीएल व बीपीएल मानक को हटाते हुए सभी श्रेणियों को इसमें शामिल किया है इसमें लगभग सभी तरह के रोगों के इलाज को शामिल किया गया है।

मैं स्वास्थ्य सचिव हूँ , मुझे बताये अपनी समस्याएं चौपाल में डॉ आर राजेश कुमार की दिखी सादगी

रूद्र प्रयाग , 26 दिसंबर , एक सीनियर आईएएस , तमाम विभागों के प्रमुख और सरकार के तरह रत्नों में बेहद ख़ास .... लेकिन जब आम जनता के बीच अपना परिचय देते हैं तो कहते हैं कि मैं आपका स्वास्थ्य सचिव हूँ मुझे बताइये आपके जिले में हेल्थ स्कीम की क्या ग्राउंड हकीकत है और आपको क्या समस्याएं है ? दरअसल ये एक आम चौपाल की बेहद ख़ास शुरुआत की बात है जहाँ केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुदूरवर्ती गांवों में निवासरत ग्रामीणों को उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा सुशासन दिवस के अवसर पर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया था। धामी सरकार द्वारा जनपद हेतु नामित चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में ग्राम क्वांली में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय ग्रामीणों एवं न प्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी, सड़क आदि समस्याओं को रखा गया जिसमें अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। आयोजित चौपाल कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान क्वांली संजय चौधरी ने ग्राम क्वांली में खेल मैदान न होने से क्षेत्र में बच्चों को काफी परेशानी हो रही है जिससे खेल मैदान की मांग की गई तथा क्षेत्र में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा हेतु घेरबाड़ किए जाने की मांग की तथा आयुर्वेदिक चिकित्सालय में चिकित्साधिकारी तथा स्वच्छक की नियुक्ति की तैनाती की मांग की। इसके साथ ही क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को भी दुरस्त करने की मांग की तथा पीएमजीएसवाई द्वारा नवनिर्मित सड़क से क्षेत्र वासियों के भूमि दबान का मुआवजा एवं क्षतिग्रस्त रास्तों को दुरस्त करने की भी मांग की। ग्राम प्रधान जसोली अर्चना चमोली ने जीआईसी चमकोट में दो साल से अंग्रेजी विषय का शिक्षक न होने से कॉलेज में शिक्षक की नियुक्ति की मांग की। इसके साथ ही स्कूल में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के उचित मार्गदर्शन व प्रशिक्षण के लिए कोच तैनात करने की मांग की गई। जसोली विद्यालय में सड़क न होने के कारण छात्र-छात्राओं को आवाजाही में परेशानी होने से सड़क की मांग की गई। दिगपाल सिंह चौधरी ने गांव से हो रहे पलायन की रोकथाम के लिए बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए गांव में बुजुर्ग पार्क निर्माण की भी मांग की गई। ग्रामीणों द्वारा क्षेत्र में पानी की समस्या से भी अवगत कराया गया तथा पेयजल की समस्या से अवगत कराते हुए पेयजल व्यवस्था सुचारू कराने की भी मांग की गई। श्रीमती माहेश्वरी देवी ने वृद्धावस्था पेंशन लगाने के लिए मांग की गई। शरद सिंह द्वारा बीपीएल कार्ड बनाने की मांग की गई। ग्राम चौपाल को संबोधित करते हुए सचिव स्वास्थ्य ने ग्रामीणों से कहा कि सरकार की मंशा है कि दुरस्त क्षेत्रों में रह रहे लोगों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनका लाभ उपलब्ध कराने तथा ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण कराने के उद्देश्य से सुशासन दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जनपदों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया है जिसके माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का तत्परता से समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने क्षेत्र के ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया है कि उनके द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई गई हैं उनका यथासंभव निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर की समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है तथा शासन स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा जो भी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं उन योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक उपलब्ध कराने के लिए इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों द्वारा निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने हेतु आयुष्मान कार्ड नहीं बनाए गए हैं वह अपना आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से बना लें इसके लिए उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कैंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में तैनात आशा, एएनएम को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य संबंधी जानकारी सभी महिलाओं को समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए तथा नियमित रूप से सभी गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य जांच कराया जाए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मार्तोलिया, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग अपर्णा ढौंडियाल, खंड विकास अधिकारी प्रवीण भट्ट, प्रधान लदोली श्रीमती सीता रौथाण सहित जन प्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामवासी मौजूद रहे।

उत्तराखंड की हसीन वादियों का लेना है मजा, तो इन जगहों का बनाएं प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देव भूमि' के नाम से प्रसिद्ध उत्तराखंड अपनी खूबसूरती, शांत वातावरण और मनमोहक दृश्यों के लिए जाना जाता है. इस जगह को उत्तर भारत में स्थित एक बेहद ही खूबसूरत और शांत पर्यटन केंद्र भी माना जाता है. पृथ्वी का स्वर्ग कहलाए जाने वाले उत्तराखंड की झील-झरने, हिमालय, मनोरम वादियों और तालों का दृश्य को देखा जा सकता है. उत्तराखंड में आप हिल स्टेशन और एडवेंचर दोनों का मजा ले सकते हैं. यहां कई ऐसी जगह हैं, जो पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं. तो चलिए हम आपको उत्तराखंड की कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में बताते हैं, जहां आप अपने पार्टनर संग घूमने जा सकते हैं. अगर आप भी उत्तराखंड घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों पर जाना ना भूलें.उत्तराखंड के गढ़वाल में एक खूबसूरत जगह है ऑली. जहां करीब 5 से 7 किलोमीटर में फैला ये छोटा सा रिसॉर्ट है. उत्तरांचल में ऑली अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए भी बहुत ही ज्यादा लोकप्रिय है.

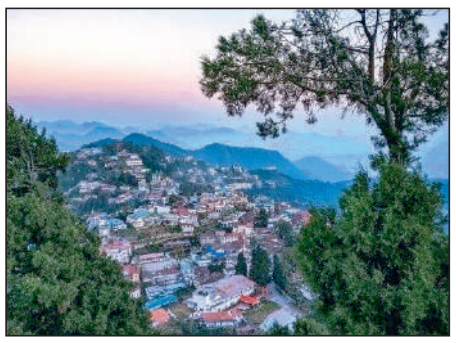

इस जगह पर देवदार के बहुत से पेड़ हैं. इनकी महक यहां की ठंडी और ताजी हवाओं में महसूस की जा सकती है. यहां जाने का सबसे बेहतर मौसम सर्दी का ही है, जब यहां बर्फ की मोटी परत जम जाती है.चकराता भी बेहद खूबसूरत जगह है. दिसंबर के आखिरी से लेकर आप जनवरी महीने के बीच आज यहां जा सकते हैं. दिल्ली से ये जगह 320 किमी. की दूरी पर है. ये 2100 मीटर ऊंचाई पर है. ये जगह

स्नोफॉल के लिए सबसे खूबसूरत है. यहां से आप मंसूरी भी आसानी से जा सकते हैं. आप चाहें तो इधर से हिमाचल की ओर जा सकते हैं. ठंड में देवबन में खूब बर्फबारी होती है.मसूरी में हर साल पर्यटकों का हुजूम उमड़ पड़ता है. मसूरी में घूमने व इस हिल स्टेशन का दीदार करना पर्यटकों की पहली पसंद मानी जाती है. यहां कैंपटी फाल, भट्टा फाल, माल रोड, जार्ज एवरेस्ट घूमने के लिए बेहद मुफीद जगह हैं. दून से मसूरी की दूरी महज 35 किलोमीटर है. वहीं, जबकि दिल्ली से दूरी महज 270 किलोमीटर है.चंबा हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है. जहां हर साल यहां काफी संख्या में लोग अपने पार्टनर संग पहुंचते हैं और यहां की हसीन वादियों में खो जाते हैं. यहां कई दर्शनीय स्थल व मंदिर है. यहां ठहरने के लिए अच्छे होटल भी हैं. अगर आप अपने पार्टनर संग शहरों के शोर-शराबे से दूर एकांत में रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं, तो ये जगह आपके लिए बिल्कुल सही हो सकती है.रानीखेत उत्तराखंड के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है, जो कुछ बेहतरीन प्राकृतिक दृश्यों और प्राकृतिक सुंदरता से समृद्ध है. उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में स्थित, यह गंतव्य शहर की भीड़-भाड़ से दूर लाकर आपको खड़ा कर देता है. ये हिल स्टेशन हिमालय का मनमोहक दृश्य दिखाता है, जहां आपको शांतिपूर्ण वातावरण भी देखने को मिलेगा. इसके साथ ही यहां आप सेब के बागों, खुबानी और देवदार के पेड़ों से घिरे कुछ सबसे खूबसूरत बगीचे देख सकते है. इसमें घने जंगल और खूबसूरत झरने भी हैं, जो पर्यटकों को बेहद आकर्षित करते हैं.

श्रधेय अटल जी को देवभूमि का नमन : पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसम्बर , पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी कुशल प्रशासक, राजनीतिज्ञ एवं लोकप्रिय जन नेता थे वे एक ऐसे महान वक्ता थे, जिन्हें समाज के सभी वर्गों के लोग प्यार और आदर करते थे। स्व० वाजपेयी जी सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं में शामिल हैं। उनके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था। अटल जी उत्तराखण्ड राज्य के प्रणेता हैं, उन्होंने न केवल उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण किया बल्कि इसके विकास के लिए आधार भी तैयार किया

महान देशभक्त और साहसी शख्सियत थे वीर चन्द्र सिंह 'गढ़वाली' : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसम्बर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में पेशावर कांड के नायक वीर चन्द्र सिंह 'गढ़वाली' की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली जी ने देश की आजादी के लिये आन्दोलनरत निहत्थी जनता पर गोली चलाने के आदेश को न मानकर महान देशभक्ति और साहस का परिचय दिया था। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के लिए 'पेशावर कांड' एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के आंदोलन में यह घटना मील का पत्थर साबित हुई, जिसने भविष्य के लिए एक क्रांतिकारी आधार तैयार किया।

मन की बात कार्यक्रम से हमें मिलती है एक दिशा : रेखा आर्या

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के उद्बोधन को जन-जन तक पहुंचाने कि कार्यकर्ताओ से की अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसम्बर , प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या तपोवन मण्डल के भगत सिंह कॉलोनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात संवाद कार्यक्रम को रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ,पार्टी कार्यकर्ताओं और देवतुल्य जनता के साथ सुना।मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।इस दौरान कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के उद्बोधन को जन-जनतक पहुंचाने और उसके संकल्प की बात कही।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने लोकल उत्पादों को बढ़ावा देने एवं आत्मनिर्भर भारत को लेकर महत्वपूर्ण बातें बताईं।

इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की सफलता सहित देश की उपलब्धियों, प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्द्धक बातों का उल्लेख किया, साथ ही कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए सभी से पुनः सावधानी बरतने की अपील की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कहा की प्रधानमंत्री के मन की बात देश के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने मन की बात कार्यक्रम में कभी राजनीति पर बात नहीं की, उन्होंने हमेशा राष्ट्र की बात ,समाज की बात की।

मन की बात कार्यक्रम से हमें एक दिशा मिलती है। मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयंती भी है।

कहा कि भले ही वह अब हमारे बीच नही हैं लेकिन फिर भी उनके आदर्श व दिखाए गए मार्ग हमारे लिए प्रेरणा का कार्य करते है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने कोरोना के नए वेरिएंट को देखते हुए सभी से एहतियात बरतने की अपील की और कहा कि सभी लोग बूस्टर डोज अवश्य लगाए। कोरोना से डरने की नही बल्कि सावधानी बरतने की जरूरत है। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता व स्थानीय जनता उपस्थित रही।

अगर रात में आपको ये 4 सपने आते है. तो बदल जाएगी आपकी जिंदगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्वप्न शास्त्र में सपनों के बारे में विस्तार से बताया गया है। व्यक्ति सोने के समय सपने जरूर देखता है। इनमें कुछ अच्छे तो कुछ बुरे होते हैं। इन सपनों का वास्तविक जीवन से गहरा संबंध होता है। हालांकि, ये आभासी होते हैं। विज्ञान में भी सपनों के बारे में विस्तार से बताया गया है। सनातन धर्म में भी सपनों का विशेष महत्व है। धर्म गुरुओं का मानना है कि सपने व्यक्ति के आगामी जीवन के पूर्वाभास संकेत होते हैं। इनमें व्यक्ति का भविष्य भी छिपा होता है। ये सपने बताता है कि आपका आने वाला समय कैसा रहने वाला है। अगर आप भी रात में सोने के दौरान सपने देखते हैं, तो उसका कोई न कोई मतलब जरूर होता है।

खासकर, रात में सोने के दौरान 'पान खाने, चांद और सेब देखने के सपनों का विशेष महत्व होता है। आइए इन सपनों का मतलब जानते हैंरात में सोते समय पान खाने का सपना विरलय ही व्यक्ति को दिखता है। अगर किसी व्यक्ति को रात में सोते समय पान खाने का सपना दिखता है, तो यह उस व्यक्ति के लिए शुभ संकेत है। पान खाने का सपना देखने का मतलब यह है कि आप जिस क्षेत्र में कार्यरत हैं। उसमें आपको जल्द सफलता मिलने वाली है। आसान शब्दों में कहें तो आप बहुत जल्द सफल होने वाले हैं।आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि उन्हें सपने में चांद दिखाई दिया है। अगर आपको भी रात में सोते समय सपने में चांद दिखाई देता है, तो यह सपना भी आपके लिए शुभ है। इस सपने का मतलब है. कि आपके घर में सुख और शांति बनी रहेगी। आपके परिवार में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने वाली है। साथ ही आपको जल्द तरक्की मिलने वाली है। सपने में सेब का दिखना शुभ होता है। यह सपना आपकी तरक्की और उन्नति का संकेत है। अगर आप अपने सपने में सेब देखते हैं, तो यह आपके भाग्य का द्वार खुलने जैसा है। इससे कारोबार और रोजगार में आपको उन्नति मिलने की पूरी संभावना है। वहीं, अगर कोई गर्भवती नारी सपने में सेब देखती है, तो यह संकेत है कि नारी को पुत्र की प्राप्ति होगी।स्वप्न शास्त्र की मानें तो घंटी बजने का सपना देखना भी शुभ होता है। इस सपने का अर्थ यह है कि जल्द आपको कोई अच्छी खबर मिलने वाली है। यह शुभ समाचार आपके कारोबार, रोजगार और जीवन से संबंधित हो सकता है।

मुख्यमंत्री धामी पहुंचे टनकपुर में आयोजित प्रथम "किताब कौथिग"

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टनकपुर , 26 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय इण्टर कॉलेज, टनकपुर में आयोजित प्रथम "किताब कौथिग" कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टालों के साथ ही पुस्तकों के स्टालों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टनकपुर क्षेत्र में पुस्तकालय खोले जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टनकपुर में शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए किताब कौथिग के रूप में एक नई शुरुआत की गई है। पुस्तकें हमारे दिमाग को पोषण देने का कार्य करती हैं। हमें पुस्तकों से नया ज्ञान अर्जित होता है, विश्व भर के स्रोत, साहित्य, एवं अनजाने रहस्य के बारे में हमें पुस्तकों से ही पता चलता है। यह 'किताब कौथिग' पढ़ने लिखने की संस्कृति को नया आयाम देगा। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को साहित्य, संगीत, कला, संस्कृति जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा इस तरह के कार्यक्रम पूरे राज्य में हो इसके लिए प्रयास किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर टनकपुर क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। यहां आए हुए अतिथि, इस क्षेत्र की बेहतरीन यादें ले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि वाजपेयी जी कुशल प्रशासक, राजनीतिज्ञ एवं लोकप्रिय जन नेता थे वे एक ऐसे महान

वक्ता थे, जिन्हें समाज के सभी वर्गों के लोग प्यार और आदर करते थे।

अटल जी उत्तराखण्ड राज्य के प्रणेता हैं, उन्होंने न केवल उत्तराखंड राज्य का निर्माण किया बल्कि इसके विकास के लिए आधार भी तैयार किया। पी.एम.जी.एस.वाई की शुरुआत भी अटल बिहारी वाजपेई द्वारा की गई, जिसके अंतर्गत आज उत्तराखंड में ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछा है।

इस अवसर पर पुस्तक मेला समिति के अध्यक्ष रोहिताश अग्रवाल, सचिव नवल किशोर तिवारी, उपाध्यक्ष हंसा पांडे, कोषाध्यक्ष अनिल चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा, मां पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित किशन पाण्डेय, फिल्म डायरेक्टर चंद्रकांत, फिल्म अभिनेता हेमंत पांडे, भाषाविद दिवा भट्ट, कृषि वैज्ञानिक जीसी भट्ट, प्रभारी जिलाधिकारी हेमंत कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी चंपावत रिंकू बिष्ट, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बर्खास्त कार्मिकों के बच्चों ने भी स्पीकर के सामने लगाई न्याय की गुहार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 दिसंबर, उत्तराखंड विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन विधानसभा के बाहर छठवें दिन भी जारी रहा, इस दौरान कार्मिकों के बच्चों ने भी धरने में बैठकर विधानसभा अध्यक्ष न्याय की गुहार लगाई। बच्चों ने पेंटिंग बनाकर अपने माता-पिता की नौकरी को बहाल करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को अपना मार्मिक संदेश दिया। अनिश्चितकालीन धरने मैं बर्खास्त कार्मिकों के बच्चों ने स्कूल की ड्रेस में पहुंचकर अपनी भावनाएं व्यक्त की।

इस दौरान बच्चों द्वारा क्रिसमस के ग्रीटिंग बना कर विधानसभा अध्यक्ष को उनके शासकीय आवास के पते पर पोस्ट किया गया। इस मौके पर एक कार्मिक के बच्चे ने कहा कि स्कूल में 3 महीने से फीस ना भरने के कारण स्कूल से उन्हें बाहर निकालने का दबाव भी बनाया जा रहा है। कार्मिकों ने कहा कि उनके सामने परिवार के भरण पोषण एवं रोजी रोटी का संकट पैदा हो चुका है।

इस दौरान बर्खास्त कार्मिकों ने विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप भी लगाया कि दिल्ली, हरियाणा, बिहार के लोगों को निजी स्टाफ में रख कर उत्तराखंड के युवाओं के

साथ छलावा किया गया है। बाहर के स्टाफ का उत्तराखंड के विकास एवं भावनाओ से कोई सरोकार नहीं है।बता दें कि विधान सभा अध्यक्ष के निजी स्टाफ में वर्तमान में सलाहकार, ओएसडी, पीआरओ, उप सूचनाधिकारी सभी बाहर के राज्यों से नियुक्त किए गए हैं।

विधान सभा से बर्खास्त कार्मिकों ने बताया कि 2001 से 2013 तक 160 कर्मचारियों-अधिकारियों को तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने उसी कलम से नियमित किया था, जिस कलम से वर्ष 2016 में बर्खास्त कार्मिकों को तदर्थ नियुक्ति मिली थी।

अब जब विधानसभा में बैकडोर भर्ती से 2001 से 2021 तक सभी को समान प्रक्रिया से नियुक्ति मिली है तो ऐसा क्यों हुआ कि किसी को बिना सुने बाहर का रास्ता दिखाया दिया गया तो किसी को बचाया जा रहा है।बता दें कि विधानसभा अध्यक्ष ने माना है एवं कोटिया कमेटी की रिपोर्ट में भी 2001 से 2021 तक विधानसभा में अवेध भर्ती हुई है तो यह सवाल लाजिमी है कि सिर्फ 2016 एवं उसके बाद नियुक्त कार्मिकों को ही क्यों हटाया गया। यह भी बता दें कि विधानसभा अध्यक्ष का इस मामले पर अभी भी मीडिया के सामने कोई जवाब नहीं आया है। इस दौरान कौशिक भैसोड़ा, भगवती सानी, धर्मेंद्र सिंह कार्की, अरविंद सिंह भंडारी, राजकिशोर, हेमंत जोशी, रविंद्र सिंह रावत, ओम प्रकाश, राजीव शाह, कपिल धोनी, शिवराज सिंह धानक, मनाली शर्मा, दया नगरकोटी, मोनिका सेमवाल, हेमलता जोशी, बबीता तिवारी, मीनाक्षी, रिशु सूर्या, दीपक सिंह, गोपाल नेगी, राहुल कुमार, केदार सिंह, अमित मंमगाई, भूपेंद्र प्रसाद, नंदू भट्ट सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा करेंगे पुलिसकर्मी जल्द होगा निर्णय : डीजीपी उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसम्बर , उत्तराखंड पुलिस मंथन-समाधान एवं चुनौतियां पुलिस सप्ताह के दौरान लगभग 25 महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये है। डीजीपी अशोक कुमार ने इन फैसलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

1. सत्यापन अभियान लगातार चलाए जाएंगे एवं समय-समय पर उनकी समीक्षा की जाएगी।

2. अभिसूचना विभाग को सूचनाओं पर प्रोएक्टिव होकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

3. यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत मुनीकीरेती एवं रुड़की क्षेत्र से यातायात उप निरीक्षकों एवं सी0पी0यू0 टीम को यातायात सुधार हेतु ऋषिकेश एवं मसूरी स्थानान्तरित करने के निर्देश दिए।

4. पुलिस के आधारभूत प्रशिक्षण में उत्तराखंड पुलिस ऐप, गौरा शक्ति योजना एवं अन्य तकनीकी सेवाओं के प्रशिक्षण जोड़ने को निर्देश दिए।

5. साइबर, ड्रोन एवं कम्प्यूटर से सम्बन्धित समस्त प्रशिक्षण डाइटेक (DITAC देहरादून की आधुनिक लैब में कराये जाने का निर्णय लिया गया।

6. समस्त पुलिस कर्मियों को वार्षिक हेल्थ चेकअप आयोजित करने एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट के अधिक से अधिक जागरूकता सत्र चलाने के निर्देश दिए।

7. अन्य राज्यों में पुलिस के द्वारा किए जा रहे विशेष अभियानों की समीक्षा कर लागू करने के भी निर्देश दिए।

8. एस0डी0आर0एफ0, फायर सर्विस, यातायात पुलिस को पैरामेडिकल की ट्रेनिंग भी दी जायगी, जिससे गोल्डन आवर में घायलों की जान बचाई जा सके। एस0डी0आर0एफ0 में महिलाओं की प्रतिभागिता भी बढाई जायगी।

9. जी0आर0पी0 में रेलवे विभाग के साथ समन्वय कर रेलवे स्टेशनों को सीसीटीवी से कवर किया जाए और ट्रेनों पर पत्थरबाजी से सम्बन्धित घटनाओं पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

10. रोडवेज बस में पुलिसकर्मियों हेतु मुफ्त यात्रा/मासिक पास के प्रयास किये जायेंगे।

11. पुलिस लाईन/विधानसभा /राजभवन एवं अन्य जगहों पर पीएसी हेतु टेंट के स्थान पर पी-फेब्रिकेटेड हट की व्यवस्था को प्रारम्भ किया जाय, जिससे कर्मचारियों के रहन-सहन का स्तर बढे।

12. डायल 112 में 2019 से आज तक 90 लाख कॉल आई हैं। 112 पर झूठी सूचना देने वालों के विरूद्ध भी कार्यवाही की जाए।

13.चीता कॉल पर जाने के पहले एक बार कॉलर के नम्बर पर भी कॉल कर लें। डायल 112 के माध्यम से एमडीटी (मोबाइल डाटा टर्मिनल) पर प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही करने और रिस्पोंस टाईम को बेहतर करने हेतु निर्देशित किया गया।

14.फैक्स के स्थान पर ई0मेल तथा पोलनेट का अधिकाधिक प्रयोग किया जाय।

15. ट्रैफिक नियंत्रण, चारधाम यात्रा, आपदा प्रबन्धन में ड्रोन का प्रयोग किया जाय।

16. नशा छोड़ चुके व्यक्तियों को ड्रग वारियर घोषित कर, उनसे ऑनलाइन काउंसलिंग कराएं। नशा पीड़ित एवं नशा पैडलर्स की प्रोफाइलिंग की जाए।

17. महिला हेल्पडेस्क एवं चीता मोबाइल को सीयूजी मोबाइल नम्बर प्रदान किये जाएंगे। भविष्य में पुलिस चौकियों को भी सीयूजी मोबाइल नम्बर प्रदान किये जाने का प्रयास किया जाएगा।

18. पुराने निरीक्षकों, उप निरीक्षकों एवं आरक्षियों को Techsavvy बनाया जाएगा। इस हेतु पुलिस लाइन व बटालियनों में उन्हें प्रशिक्षण कराया जाएगा, जिससे वे भी तकनीक का बखूबी इस्तमाल कर सकें।

19. स्मार्ट बैरक्स की तर्ज पर अब थानें एवं चौकियों के शौचालयों को भी स्मार्ट बनाया जाएगा।

20. पीएसी जहां पर स्थायी रूप से निवास कर रही है, वहां पर उनकी रहने के स्तर में सुधार हेतु सेनानायक 31वीं वाहिनी पीएसी की अध्यक्षता में कमेटी बनायी गयी है।

21. पुलिस कर्मियों में तनाव मुक्ति हेतु उत्तराखण्ड पुलिस वाईव्स वेलफेयर एसोसिएशन (उपवा) के तत्वाधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

22. स्कूल एवं कॉलेजों में छात्रों को पुलिस लाइन देहरादून में 01 सप्ताह का आत्म रक्षा का प्रशिक्षण दिये जाने का निर्णय लिया गया।

23. अल्मोड़ा और श्रीनगर के महिला थाने को साइबर थाना के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

24. प्रत्येक जनपद में साइबर एक्सपर्ट्स की नियुक्ति के प्रयास किये जाएंगे।

25. पुलिस कर्मियों के वेलफेयर के तहत शुरू की गयी व्हाट्सएप पर छुट्टी हेतु आवेदन करने की व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा।

26. पुलिस कर्मियों द्वारा अपने या अपने परिवार के किसी सदस्य के जन्मदिन एवं सालगिराह पर आकस्मिक अवकाश हेतु अनुरोध किया जाता है, तो उन्हें तुरंत अवकाश दिया जाएगा।

27. महिला हल्पडेस्क एवं चीता मोबाइल को सीयूजी मोबाइल नम्बर प्रदान किये जाएंगे। भविष्य में पुलिस चौकियों को भी सीयूजी मोबाइल नम्बर प्रदान किये जाने का प्रयास किया जाएगा।

एसएसपी अजय सिंह की शार्प रणनीति से खुला अपहरण की साजिश से पर्दा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 26 दिसम्बर , 9 दिसम्बर को रोड़ी बेलवाला क्षेत्र से अपहृत हुए *बच्चा चोर गैंग का पर्दाफाश हो गया है। एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने इस कामयाबी की जानकारी दी है। आजकल हरिद्वार में एक वात चरितार्थ होती नजर आ रही है और वो है ₹उठो, चलो और तब तक चलते रहो जब तक अपनी मंजिल न प्राप्त कर लो₹ स्वामी विवेकानंद की इस उक्ति को हरिद्वार पुलिस ने अपने कार्यशैली में अपना लिया है।यही वजह है कि अथक प्रयासों एवं बेहतरीन टीम वर्क का शानदार नमूना पेश करते हुए बच्चा चोर गैंग का खुलासा कर हरिद्वार पुलिस अब चौतरफा सराहना हासिल कर रही है।एसएसपी अजय सिंह बड़े आत्मविश्वास से कहते हैं कि₹महिला एवं बच्चा संबंधी अपराध मेरी प्राथमिकताओं में शामिल हैं और उनकी टीम ने इस मामले में बेहतरीन काम किया है।आपको बता दें कि गंगा पत्नी अरविन्द नि0 झुग्गी झोपडी रोडीबेलवाला ने अपने 6 वर्षीय पुत्र मयंक के अपहृण की सूचना दर्ज कराई थी । मामले की गम्भीरता को देखते हुये एस0एस0पी0 हरिद्वार अजय सिंह द्वारा तत्काल घटना के खुलासे हेतु न सिर्फ विभिन्न पुलिस टीमों का गठन किया गया बल्कि स्वयं मॉनिटरिंग भी की। जिसके परिणामस्वरूप एवं पुलिस टीमों के आपसी बेहतर समन्वय के कारण कोतवाली नगर पुलिस ने 16 दिसम्बर को देवबन्द से बच्चे को सकुशल बरामद किया और मुख्य अभियुक्तों की तलाश में जुट गई।

इस गंभीर प्रकरण में दिन-रात की मेहनत और अनगिनत छोटी-बड़ी सूचनाओं को एक सूत्र में पिरोने पर पुलिस टीम को जानकारी मिली कि जिस बाईक से बच्चे का अपहरण किया गया था उसकी लोकेशन देवबन्द सहारनपुर उत्तर प्रदेश में है। टीम के शानदार

आपसी सामंजस्य व सूझबूझ से बाईक की तलाश पर घटना में इस्तेमाल की गई मोटर साईकिल PB 11 CQ 4410 के साथ अभियुक्तगण बिट्टू व सतीश को गिरफ्तार कर हरिद्वार पुलिस द्वारा जेल भेजा गया, जिनसे महत्वपूर्ण जानकारी हासिल हुई कि उनके द्वारा बाईक पातरा पंजाब से चोरी की गई थी तथा अपने जानने वाले शैंकी को ₹20000 में बेची थी एवं कागज कुछ दिन बाद दिए जाने की बात हुई थी।कुछ दिन गाड़ी अपने पास रखने के बाद शैंकी ने गाड़ी के कागज न दिए जाने पर बिट्टू और सतीश को गाड़ी वापस कर दी और अपने दिए रुपए वापस उनसे प्राप्त किए।इस संबंध में पुलिस टीम को शैंकी से अति महत्वपूर्ण जानकारी मिली कि ₹उन कुछ दिनों मेंर जब गाड़ी शैंकी के ही पास थी, उसके गाँव के दो लड़के विशाल व मनीष उससे गाडी मांगकर हरिद्वार ले गये थे। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा गंभीरतापूर्वक ₹मनीष व विशाल₹ की तलाश की गई तथा सटीक सूचना के आधार पर दिनांक 24 दिसम्बर को उक्त दोनों व्यक्तियो को देवबन्द, उत्तर प्रदेश से पकड़ा गया।

तब पुलिस टीम के सामने स्पष्ट हुआ कि मनीष की रिश्ते की बुआ ₹साक्षी₹ जो कि

देवबन्द में ही रहती है, उसके कोई बच्चा नहीं है, जिसपर उसने मनीष से एक बच्चा देने के लिये कहा, तब मनीष अपने दोस्त विशाल के साथ अपनी बुआ की इच्छा पूरी करने के लिए बच्चा चुराने हरिद्वार आया जहां सीसीआर के पास रोडीबेलवाला क्षेत्र में 3--4 बच्चे खेलते मिले जिनमें से एक बच्चे को खाना खिलाने का लालच देकर अपनी बाईक पर बिठा लिया और अपहृण कर साक्षी (बुआ) के घर देवबन्द ले गये और बुआ की इच्छा पूरी करते हुए चुराकर लाया हुआ बच्चा उनको दे दिया। लेकिन प्रकरण में हरिद्वार पुलिस द्वारा सरगर्मी की जा रही तलाश को देखकर हरिद्वार पुलिस के खौफ से (बुआ) साक्षी द्वारा अपहृत बच्चे को मोहल्ला हंसवाड़ा देवबंद सहारनपुर उत्तर प्रदेश में एक मंदिर के पास छोड़ दिया गया था जिसको पुलिस टीम द्वारा तत्समय सकुशल बरामद कर लिया गया था और तभी से सभी अपहरणकर्ताओं की तलाश में शिद्दत से जुटी हुई थी।इन सबके आधार पर हरिद्वार पुलिस द्वारा साक्षी को भी गिरफ्तार किया गया।इस महत्वपूर्ण खुलासे पर एसएसपी हरिद्वार द्वारा पुलिस टीम को ₹10,000 इनाम देने की घोषणा की गई है।

संपादकीय

वैकल्पिक राजनीति के शिल्पकार चरण सिंह

अब जब सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की राजनीति व्यक्तिगत विरोध से भी आगे अमर्यादित टीका-टिप्पणियों तक पहुंच गयी है, भारत में वैकल्पिक राजनीति के शिल्पकार रहे चौधरी चरण सिंह को याद किया जाना चाहिए. विचारधारा सोच-समझ से उभरती है और फिर वैकल्पिक राजनीति का आधार बनती है. सहमति-असहमति हो सकती है, पर आजादी के बाद के कुछ दशकों तक भारतीय राजनीति विचार केंद्रित रही. आजादी के अमृत महोत्सव काल में वैकल्पिक राजनीतिक सोच और उसकी प्रतिबद्धता का अभाव खलता है. देश पहली बार महंगाई व बेरोजगारी की समस्या से रूबरू नहीं है. ऐसा भी नहीं है कि देश में सिर्फ यही समस्याएं हैं. पिछले साल आजादी के बाद का सबसे लंबा किसान आंदोलन चला. कृषि संकट की खूब चर्चा हुई, पर क्या यह संकट अचानक पैदा हुआ? क्या उससे उबरने का कोई रास्ता किसी दल या नेता के पास है? निर्भया से लेकर श्रद्धा कांड तक हमारे समाज में नैतिक मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा के अनेक उदाहरण हैं, पर क्या वे किसी नेता या दल की चिंता का विषय हैं? बेहतर समाज ही बेहतर देश बनाता है. वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा संकट यही है कि वह सोच से कट कर महज चुनाव जीतने तक सीमित रह गयी है. एक चुनाव जीत कर दूसरे की तैयारी करिए और उसके बीच मौके-बेमौके अपने विरोधियों पर शब्द वाण चला कर माहौल बनाते रहिए. समस्याओं पर नारे गढ़ कर चुनाव तो जीते जा सकते हैं, पर समाधान तभी संभव है, जब देश और समाज की चुनौतियों की बाबत सही समझ और नीतियां बनें. भावी संकट की आहट सुन कर आगाह करना और राह सुझा पाना ही किसी भी वास्तविक नेता की पहचान है. नयी पीढ़ी को यह जान कर आश्चर्य हो सकता है कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक विचारवान राजनेता ही नहीं, जमीनी अर्थशास्त्री और नैतिक शिक्षा के पैरोकार समाजशास्त्री भी थे. आज बड़े दल और नेता भी दागियों को टिकट देने तथा अपराधों में कार्रवाई से बचाने में संकोच नहीं करते, लेकिन चरण सिंह ने शिकायत मिलने पर चुनावी सभा के मंच से ही अपने दल के प्रत्याशी के बजाय एक निर्दलीय को वोट देने की अपील कर दी थी. किसी मंत्री/मुख्यमंत्री का वेश बदल कर थाने या सरकारी दफ्तर पहुंच जाना आज फिल्मी कहानी लग सकती है, पर यह उनकी कार्यशैली का हिस्सा था. उन्होंने कृषि संकट की आहट बहुत पहले सुन ली थी. उन्हें आभास था कि शहर और बड़े उद्योग केंद्रित विकास की कीमत अंततः कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ेगी. वे अक्सर कहते थे कि किसान के बच्चों को भी पढ़-लिख कर रोजगार के दूसरे अवसरों की ओर बढ़ना चाहिए. महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल के अलावा चरण सिंह ही असली भारत की जमीनी वास्तविकताओं को सही अर्थों में समझ पाये.

निशुल्क राशन दिसंबर 2023 तक बढ़ाए जाने पर पीएम का धन्यवाद : प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 26 दिसंबर , राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत निर्धन वर्ग तक दिया जाने वाला निशुल्क राशन दिसंबर 2023 तक बढ़ाए जाने तथा ओआरओपी बढ़ाने पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट किया है।डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट के इस फैसले से देश के करीब 80 करोड़ से अधिक हितग्राहियों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अन्नू से अंतोदय तक इस योजना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्धन वर्ग का विशेष ध्यान रखा है उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अंत्योदय तक की बात करते हैं। उनका मानना है कि देश के दूर व दुर्गम क्षेत्र तक बैठे व्यक्ति तक विकास किया जाए।डॉ अग्रवाल ने कहा कि यह योजना 1 जनवरी 2023 से दिसम्बर 2023 तक प्रभावी रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट के इस निर्णय से गरीब से गरीब लाभार्थियों के वित्तीय बोझ को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य करती है।

प्रभारी सचिव दिलीप जावलकर ने सुराज दिवस पर यमकेश्वर में लगाई चौपाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यमकेश्वर , 26 दिसंबर , विधानसभा यम्केश्वर के ग्राम मराल रत्तापानी में आयोजित चौपाल में लोगों को स्वरोजगारपरक गतिविधियों से जुड़ने तथा खेती और इससे संबंधित क्षेत्रों में इनोवेटिव प्रयास को अमल में लाने का दिया संदेश। विधायक यम्केश्वर ने भी लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी। सुराज दिवस के उपलक्ष्य में आज यमकेश्वर विधानसभा के ग्राम पंचायत मराल रत्तापानी में जनपद के प्रभारी सचिव श्री दिलीप जावलकर और स्थानीय विधायक यम्केश्वर रेनू बिष्ट की संयुक्त अध्यक्षता में चौपाल का आयोजन किया गया।

आयोजित चौपाल में लोगों की विभिन्न समस्याओं की सुनवाई की गई और सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी को एक समृद्ध और खुशहाल उत्तराखंड बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया। इस दौरान जनपद के प्रभारी सचिव दिलीप जावलकर ने उपस्थित विभिन्न विभागीय अधिकारियों को लोगों की आजीविका और आर्थिकी में सुधार लाने, उनकी छोटी-मोटी समस्याओं को उनके ही द्वार पर उचित गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ निस्तारित करने तथा लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए उनको जागरूक करते हुए विभिन्न योजनाओं का समुचित लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्विस डिलीवरी फास्ट होनी चाहिए, सेवा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत मानक के अनुरूप जो सेवाएं दी जानी चाहिये उन्हें गुणवत्तापूर्ण दी जाए तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1905 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का तेजी से निराकरण किया जाए।

उन्होंने लोगों को ऐसी स्वरोजगार परक गतिविधियों पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया जिसमें उनको परंपरागत बेहतर ज्ञान प्राप्त है और उसको करने का उन्हें अच्छा अनुभव भी है साथ ही जिसका वर्तमान समय में मार्केट में डिमांड भी अधिक है। इस अवसर पर होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी अपनी विभिन्न समस्याओं के निराकरण से संबंधित ज्ञापन सचिव श्री दिलीप जावलकर को सौंपा।

इस अवसर पर विधायक यमकेश्वर ने लोगों को सरकार द्वारा दी जा रही जन कल्याणकारी और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं की जानकारी देते हुए विभिन्न अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों को पेंशन योजना, खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, पर्यटन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य और बाल विकास के अंतर्गत बच्चों और महिलाओं को समर्पित विभिन्न योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से अधिकतर का मौके पर ही निराकरण किया गया। प्राप्त शिकायतों में अधिकतर शिकायतें पेयजल, सड़क, विद्युत, रोजगार, पेंशन से जुड़ी हुई थी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पौड़ी अपूर्वा पांडे, परियोजना निदेशक डीआरडीए संजीव कुमार रॉय, ज्येष्ठ उप प्रमुख दिनेश भट्ट, उप जिलाधिकारी संदीप कुमार, ग्राम प्रधान मराल संदीप कुमार, कोठार गाँव नीरज पयाल, दमांद ध्यान पाल सिंह, तोली राजकुमारी देवी, जुडड़ा मीनाक्षी देवी, भादसी डबल सिंह सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी -कार्मिक तथा स्थानीय जनमानस उपस्थित थे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

आयुक्त गढवाल मंडल सुशील कुमार ने विकासखंड डोईवाला में लगाई चौपाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसंबर , आयुक्त गढवाल मंडल सुशील कुमार ने विकासखंड डोईवाला की ग्राम पंचायत खैरी कला में आयोजित चैपाल में प्रतिभाग कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनपद देहरादून में आज 149 ग्राम पंचायतों में चैपाल का आयोजन किया गया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर सुराज दिवस का आयोजन कर राज्य के समस्त चयनित ग्राम पंचायतों में नामित सचिव एवं जिलाधिकारियों सहित उप जिलाधिकारियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर आमजन की समस्याएं सुनी तथा सुझाव प्राप्त किए। आयुक्त गढ़वाल मंडल ने चैपाल में समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सस्म्याओ का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

इस दौरान ग्राम चैपाल में शिरकत करते हुए तमाम जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की समस्याओं को गढ़वाल आयुक्त सुशील कुमार ने सुना। ग्रामीणों द्वारा चोपाल कार्यक्रम में बिजली, पानी, जंगली जानवरो का आतंक, सिचाई नहर व महिला मंगल दल ने कार्यालय के लिए जमीन आदि तमाम समस्याएं रखी। कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया ।गढ़वाल मंडल आयुक्त सुशील कुमार ने कहा की आज के दिन ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों की समस्याएं को सुनकर उनका मौके पर निस्तारण करना हैं। वहीं शिकायत कर्ता ग्रामीणों ने कहा की शासन प्रशासन की पहल तो अच्छी है। ग्रामीणों ने इस तरह के कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा समस्या का जल्द समाधान होने की अपेक्षा की। जिलाधिकारी सोनिका ने विकासखण्ड विकासनगर की ग्राम पंचायत केदारवाला में आमजन की समस्या को सुनते हुए शिकायतें के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। महानिदेशक सूचना/निदेशक पंचायतीराज बंशीधर तिवारी ने विकासखण्ड रायपुर की ग्राम पंचायत थानों में, अपर सचिव नितिका खण्डेलवाल ने विकासखण्ड रायपुर की ग्राम पंचायत सौड़ा सरोली में, मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम मनुज गोयल में विकासखण्ड सहसपुर के हरियावाला, मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने विकासखण्ड डोईवाला के ग्राम पंचायत दुधली में, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस के बरनवाल में विकासखण्ड रायपुर के बडासी ग्रान्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने विकासखण्ड सहसपुर के ग्राम पंचायत अम्बीवाला में, संयुक्त मजिस्ट्रेट वरूणा अग्रवाल ने सहसपुर के ग्राम पंचायत रामपुरकला, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल ने विकासखण्ड रायपुर के ग्राम पंचायत कुडियाल में, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश नन्दन कुमार ने विकासखण्ड डोईवाला के ग्राम पंचायत रानीपोखरीग्रान्ट, उप जिलधिकारी डोईवाला ने डोईवाला की ग्राम पंचायत कौडसी में, उप जिलाधिकारी मसूरी शैलेन्द्र नेगी ने विकासखण्ड सहसपुर के ग्राम पंचायत सुद्रोवाला में, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार ने विकासनगर के ग्राम पंचायत जमनीपुर में, उप जिलाधिकारी कालसी ने कालसी की ग्राम पंचायत कोरूवा में, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी ने ग्राम पंचायत होरावाला, जिला पंचायतीराज अधिकारी ने विकासखण्ड रायपुर के ग्राम पंचायत शेरकी में, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी एस.के गिरी विकासखण्ड रायपुर की ग्राम पंचायत भोपालपानी में जनमानस की समस्याओं को सुना। इसी प्रकार जनपद के समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों सहित खण्ड विकास अधिकारियों एवं नामित अधिकारियों द्वारा चयनित विभिन्न ग्राम पंचायतों चैपाल लगाकर जन समस्याओं को सुना।

सुराज दिवस पर किसानों और ग्रामीणों के संग डीएम युगल किशोर ने लगाई चौपाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 26 दिसम्बर, सुराज दिवस के अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय इन्दरपुर में आयोजित चौपाल में जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने प्रतिभाग किया। चौपाल में पहुॅचकर जिलाधिकारी ने किसानों एवं ग्रामीणों से दो तरफा संवाद करते हुए क्षेत्र में आजीविका के संसाधनों तथा आजीविका संसाधनों के विकास हेतु संभावनओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि किसान अपनी फसल का उचित दाम प्राप्त करने के लिए साहूकारां एवं ब्याज खोरो से कतई कर्ज न ले बल्कि जागरूक होकर अपना-अपना किसान क्रेडिट कार्ड बनवाये। जिलाधिकारी ने सभी को समझाते हुए कहा कि ब्याज खोरों से ब्याज लेने के स्थान पर यदि बैंको से किसान क्रेडिट कार्ड बना होगा तो ब्याज दर न्यूनतम लगेगी और किसान अपनी उपज को कुछ समय के लिए अपने पास सुरक्षित रख सकता है और मार्केट में फसल की कीमत बढ़ने पर मुनासिब दाम भी प्राप्त कर सकता है।

चौपाल में ग्रामवासियों ने 14 समस्याएं रखी जिसमें से 6 समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया ।रविन्द्र कुमार, रामबाबू, अशोक कुमार, धनेश, शैलेन्द्र कुमार ने भू-स्वामित्व नही मिल पाने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। महेश सिंह ने सिंचाई हेतु फाटक सही कराने की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को शीघ्रता से आगणन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। एम.लाल ने भूमि की पैमाईश कराने की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को भूमि की पैमाईश कराने के निर्देश दिये। क्षेत्रवासियों बिजली के तार पेड़ टच होने की शिकायत की जिसपर जिलाधिकारी ने एसडीओ को तत्काल मौके पर कर्मचारी भेजकर समस्या का तुरन्त निकारण करने के निर्देश दिये। चौपाल में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, क्षेत्रीय जनता सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

डीजी शिक्षा और निदेशक पंचायती राज बंशीधर तिवारी ने लगाई सुशासन की चौपाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसंबर , महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा एवं निदेशक पंचायती राज बंशीधर तिवारी सुराज दिवस के अवसर पर जनपद देहरादून के थानों तथा टिहरी के कुढारना गांव में आयोजित चौपाल में शामिल हुए। तथा ग्राम सभाओं में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों के मध्य जमीन पर बैठकर ग्रामीणों से गांव की समस्याओं पर चर्चा की तथा समस्याओं से भी अवगत हुए। उन्होंने ग्राम पंचायत थानो में उपस्थित लोगों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात भी सुनी। ग्राम पंचायत थानों में पानी की समस्या के बारे में बताये जाने पर उन्होंने कहा कि पानी की समस्या को जल्द ही दूर किया जाएगा। साथ ही स्वयं सहायता समूह से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में प्रतिभाग करने के लिए सुरुचि मनाली को निर्देशित किया। उन्होंने लोगों से आजीविका सुधार के लिए गौपालन एवं पंचायत में गेस्ट हाउस बनाने की बात कही। महानिदेशक शिक्षा एवं सूचना बंशीधर तिवार ने ग्राम वासियों से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ ही स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता पर ध्यान देने को कहा उन्होंने कहा कि गांवों की समृद्धि विकास से जुड़ा विषय है। अतः सभी को गांवों की आर्थिकी के विकास पर ध्यान देना होगा। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का उद्देश्य भी गांवों को मजबूती देना है। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक राजीव कुमार नाथ त्रिपाठी, सहायक विकास अधिकारी (पं) सुरुचि मनाली, ग्राम प्रधान बबीता तिवारी एवं अन्य ग्राम वासी उपस्थित रहे।

सीएम की पत्नी गीता धामी और सूर्यकांत धस्माना ने सामूहिक विवाह में दी बधाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 26 दिसम्बर , रविवार को देहरादून में 51 जोड़ों के सामूहिक विवाह के साक्षी जहां हज़ारों लोग बने वहींप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी गीता धामी , राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, विधायक दुर्गेश लाल , महापौर सुनील उनियाल गामा समेत अनेक गणमान्य लोग भी इस खुशियों भरे लम्हों के साक्षी बने ।श्री श्री बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में हिन्दु नैशनल स्कूल में भव्य आयोजन किया गया ।मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की पत्नी गीता धामी और कांग्रेस लीडर सूर्यकान्त धस्माना ने संबोधन किया । दोनों वीआईपी ने सभी नवदम्पतियों को बधाई व शुभकामनाएं दी । इस आयोजन में सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कन्या तो सनातन धर्म में देवी है और जगत की कारणी है वो कभी निर्धन नहीं हो सकती बल्कि वो तो सृष्टि की निर्मात्री है । सूर्यकांत धस्माना ने श्री श्री बाला जी सेवा समिति के अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल व सभी पदाधिकारियों को सफल व ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए बधाई दी।